# परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय, इन्दौर

कक्षा - आठ विषय - हिन्दी

## पाठ 14 - अकबरी लोटा

## कार्यपत्रक -1

प्रस्तुत गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

सोलहवीं शताब्दी की बात है। बादशाह हुमायूँ शेरशाह से हार कर भागा था और सिंध के रेगिस्तान में मारा-मारा फिर रहा था। एक अवसर पर प्यास से उसकी जान निकल रही थी। उस समय एक ब्राह्मण ने इसी लोटे से पानी पिलाकर उसकी जान बचाई थी। हुमायूँ के बाद अकबर ने उस ब्राह्मण का पता लगाकर उससे इस लोटे को ले लिया और इसके बदले में उसे इसी प्रकार के दस सोने के लोटे प्रदान किए। यह लोटा सम्राट अकबर को बहुत प्यारा था। इसी से इसका नाम अकबरी लोटा पड़ा। वह बराबर इसी से से वजू करता था।

**प्रश्न1:** प्रस्तुत गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

**प्रश्न2:** प्रस्तुत गद्यांश के लेखक का नाम लिखिए।

**प्रश्न3:** 'वजू' शब्द से आप क्या समझते हैं?

**प्रश्न4:** बादशाह हुमायूँ किस से हार कर भागा था?

**प्रश्न5:** बादशाह हुमायूँ शेरशाह से कब हार कर भागा था?

**प्रश्न6:** बादशाह हुमायूँ कहाँ मारा-मारा फिर रहा था?

**प्रश्न7:** सम्राट अकबर को लोटा क्यों प्यारा था?

**प्रश्न8:** सम्राट अकबर लोटा से क्या करता था?

**प्रश्न9:** अकबर ने लोटे को किससे ले लिया था?

**प्रश्न10:** उस लोटे का क्या नाम पड़ा?

--इति--

मंजू देवी, प्र.स्ना.अ.-वरि.मान(हिन्दी/ संस्कृत)